गोलालारीय समाज का मुखपत्र

मासिक गोलालारीय दर्शन

सफलता के 13 वर्ष

अपनों के साथ अपनी बातें

golalariya.darshan@gmail.com
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com
94074-53066

लेट पोस्टिंग

तपसाधक विशेषांक

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/IDC/1252/2021-2023

सेवा में,

जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं । हृदय नहीं वह पत्थर है, जिसको समाज से प्यार नहीं ।

वर्ष : 13 अंक : 12 पृष्ठ संख्या : 6 माह – 15 अक्टूबर 2022 सहयोग राशी 1100/- देकर सदस्य बनें ।

वार्षिक कलशाभिषेक एवं विमानोत्सव के साथ क्षमावाणी महापर्व मनाया।

विशाल जैन पवा, तालबेहट। वीर बुंदेलखंड के प्रसिद्ध श्री 1008 श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र पावागिरी जी में आचार्य विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य महान तपस्वी **मुनि श्री 108 सरल सागर जी महाराज का 40 वां दीक्षा दिवस एवं क्षमावाणी महापर्व मनाया।** कार्यक्रम के शुभारम्भ में मंगलाचरण विनोद भैया वैरागी ने किया। मुनिश्री की भक्तिभाव के साथ पूजन अर्चना की गयी, श्रद्धालुओं ने पाद प्रक्षालन कर शास्त्र भेंट किये एवं मंगल आरती उतारी। इस मौके पर मुनि सरल सागर जी महाराज ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि जब सांसारिक मोह माया से वैराग्य उत्पन्न हो जाये तब ही दीक्षा सार्थक होती है और दिगम्बरत्व को धारण किया जा सकता है। उन्होंने कहा जिस परिवार में सबसे बुजुर्ग व्यक्तियों को आदर सम्मान और प्रेम मिलता है, सभी परिजन क्षमा भाव को धारण करते हैं उसका कोई ग्रह कुछ नहीं बिगाड़ सकते और जिनेन्द्र भगवान के समक्ष अष्ट द्रव्य चढ़ाने से सभी ग्रह दूर हो जाते हैं। तत्पश्चात वार्षिक कलशाभिषेक शांतिधारा की क्रियाएं सम्पन्न की गयी। संचालन ज्ञानचंद जैन पुरा एवं आभार व्यक्त जयकुमार जैन कन्धारी ने किया। तालबेहट के पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में उच्चार्णाचार्य विनम्र सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री 108 विनंद सागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 विनुत सागर जी महाराज के मंगलमय सानिध्य में क्षमावाणी महापर्व मनाया गया। सुबह से ही भारी संख्या में धर्मावलंबियों ने मंदिर पहुँच कर मूलनायक भगवान पारसनाथ स्वामी एवं बड़े बाबा आदिनाथ स्वामी का अभिषेक-शांतिधारा पूजन विधान कर पुण्यार्जन किया। मुख्य कार्यक्रम दोपहर की बेला में आयोजित किए गए वार्षिक विमानोत्सव कार्यक्रम में पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से श्री जी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें भगवान आदिनाथ स्वामी जी को विमान में लेकर श्रद्धालु, मुनिद्वय के साथ धर्मध्वजा लेकर श्रेष्ठीजन, डीजे बैंड की धार्मिक धुनों पर नृत्य करते युवा, मंगलगीत गाती हुई महिलाएं, सत्य-

अहिंसा एवं जियो और जीने दो के नारे लगाते हुए धर्मावलंबियों ने नगर भ्रमण किया, श्री 1008 वासुपूज्य दिगम्बर जैन नया मंदिर से वापस बड़े मंदिर जी पहुँचे, भक्तों ने मंगल आरती उतारी एवं श्रीजी की शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया। आचार्यप्रवर श्री विद्यासागरजी महाराज एवं गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज के चित्र का अनावरण कर ज्ञानद्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। पर्युषण पर्व में आयोजित भव्य गुणानुवृद्धि श्रावक संस्कार शिविर के शिविरार्थियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

शेष पृष्ठ क्र. 2 पर....

गोलालारीय दर्शन अब सिर्फ सदस्यों को ही प्रेषित किया जावेगा

गत 12 वर्षों से ''**गोलालारीय दर्शन**'' का प्रकाशन नियमित रूप से कर समाज के 4260 परिवारों को प्रेषित किया जाता रहा हैं। कोरोना काल की अवधि में गोलालारीय दर्शन का प्रकाशन बाधित हुआ था उसके पश्चात प्रकाशन नियमित रूप से किया जा रहा हैं। अगस्त 2021 के पश्चात गोलालारीय दर्शन उन्हीं सदस्यों को प्रेषित किया जा रहा है जिन्होंने गोलालारीय दर्शन के लिए सदस्यता शुल्क जमा कराया हैं इसी नियम के आधार पर अगस्त 2021 से अभी तक हम पत्रिका सिर्फ उन्हीं सदस्यों को ही भेज रहे हैं जिन्होंने अभी तक कुछ भी सहयोग राशि जमा कराई हैं।

यहां आपको एक जानकारी और देना हम अपना कर्तव्य समझते है कि हम उन सदस्यों को भी आज तक पेपर भेज रहे हैं जिन्होंने आज से 10-12 वर्ष पूर्व 100 रुपये भी जमा कराए थे परंतु अब आगामी माह से उन सदस्यों को भी इस सेवा से वंचित कर रहे हैं । आप सबको अवगत ही होगा कि पेपर प्रकाशन का खर्च काफी बढ़ गया है । जिसके कारण हम 4260 कॉपी प्रकाशित करने में असमर्थ हैं क्योंकि गोलालारीय दर्शन के पास कुछ ही सदस्यों के सहयोग से निर्मित छोटा सा फंड हैं जो हम उन सदस्यों को पेपर की प्रति भेजने में खर्च नहीं कर सकते हैं जिन्होंने आज तक सदस्य बनने में रुचि नहीं दिखाई और आजीवन सदस्यता के लिए हमें पूर्ण विश्वास के साथ सहयोग राशि प्रदान की थी हम उनके विश्वास को खंडित नहीं सकते हैं । आर्थिक रुप से सहयोग देने वाले सदस्यों को गोलालारीय दर्शन की प्रति नियमित रुप से निर्धारित डाक व्यवस्था के माध्यम से भेजते रहेंगे यह हमारा प्रण हैं । जिसके आधार पर ही हम गोलालारीय दर्शन नियमित प्रकाशन कर रहे हैं । **आप गोलालारीय दर्शन के सदस्य बनकर हमें सहयोग प्रदान करें ताकि आपको भी पेपर नियमित रूप से प्राप्त हो सके । सदस्यता शुल्क व बैंक डिटेल इस पेपर के पृष्ठक्रमांक 2 पर उपलब्ध है । आपके द्वारा जमा सहयोग राशि व सदस्यता क्रमांक का विवरण पेपर पर लगे आपके नाम के स्टीकर पर अंकित है । आपके द्वारा जमाराशि का विवरण स्टीकर पर नहीं है तो संपर्क करे -9424013136**

फिर उमड़ा भक्ति का सैलाब

अनुपमा जैन, इन्दौर। इस वर्ष के पर्यूषण पर्व कई मायनों में विशेष रहा। पिछले दो वर्ष के अंतराल के पश्चात समूचे जैन समाज में भक्ति रस से सराबोर, अत्यंत उत्साह का वातावरण रहा। सुबह-शाम पूजन, अभिषेक और आरती आदि के समय श्रद्धालुओं की भीड़ से मंदिरजी के बड़े बड़े परिसरों में भी तिल भर की जगह नहीं मिलती थी। धूपदशमी के दिन भी लंबे समय के बाद जिन मंदिरों में जबरदस्त उल्लास देखा गया। देर रात तक लोगों ने मंदिरों में धूप चढ़ाई और एक से एक बढ़कर सुंदर झांकियों, रंगोलियों और मांडनों का आनंद लिया। मंदिरों में एक ओर पूजा, आराधना, सामायिक, प्रतिक्रमण और जप तप का पावन वातावरण था तो दूसरी ओर घंटा झालरों से संगीतमय पूजन, आरती और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से उल्लासमय मधुर स्वर लहरियां गूंज रही थीं।

पर्यूषण पर्व के समापन होते ही दूसरे दिन गोलालारीय समाज के वरिष्ठ प्रमुख ट्रस्टी और पदाधिकारी तथा अन्य भक्तगण आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के दर्शन और आशीर्वाद पाने शिरपुर महाराष्ट्र की ओर चल पड़े, जहां आचार्य श्री का चतुर्मास चल रहा है। वहां जाकर सभी ने आचार्य श्री के दर्शन, पूजन और प्रवचन का धर्म लाभ लिया तथा आचार्य श्री को श्रीफल भेंट करके कुमेड़ी स्थित नवनिर्मित 1008 श्री आदिनाथ जिनालय के पंचकल्याणक हेतु सादर आमंत्रण कर इन्दौर पधारने का निवेदन किया। आचार्य श्री ने अत्यंत प्रसन्नता से मंदिर के पंचकल्याणक हेतु आशीर्वाद दिया और शीघ्र ही शुभ तिथि घोषित करने का आश्वासन दिया। यहां विदित रहे कि 2 वर्ष पूर्व अपने इन्दौर चातुर्मास के समय आचार्य भगवन ने कुमेड़ी स्थित जिनालय कि निर्माण कार्य का अवलोकन किया था और निर्माणाधीन जिनालय की योजना की भरपूर सराहना भी की थी।

18 सितम्बर को क्षमावाणी का कार्यक्रम बहुत उत्साह पूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। सर्वप्रथम समाज के वरिष्ठ ट्रस्टी और

शेष पृष्ठ क्र. 2 पर....